

8/25

पत्रावली प्राचीन गौपाल जरीये अधिवक्ता के  
मिसल लपकी आवेदन पर आज पेश हुई  
प्रकरण में मूलवाद में वादी ने विज्ञा  
कला लिखा है, अर: आवेदन 212 एत  
का कोई औचित्य नहीं है। अर: ~~पत्र~~ प्राची

का आवेदन 212 BOM इसी स्तर पर  
धारिज किया जाना है। पत्रावली संख्या  
शुमार होकर नम्बर से कम होकर हाबिल  
दफतरी है।

उपस्थित अधिकारी, दांतारामगढ़